Syllabus i.g.d. Bombay arts

बाम्बे आर्टस् (आई.जी.डी.) परीक्षा का सेलेबस

प्रश्न पत्र- 1

स्थिर चित्रण (स्टिल लाइफ)

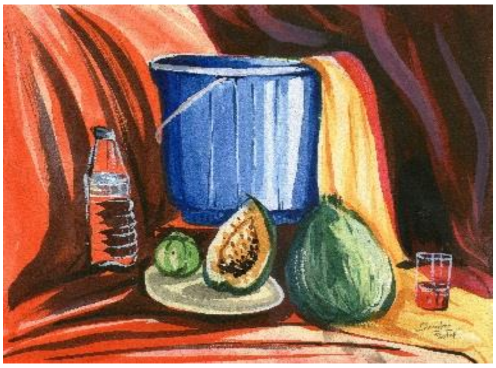
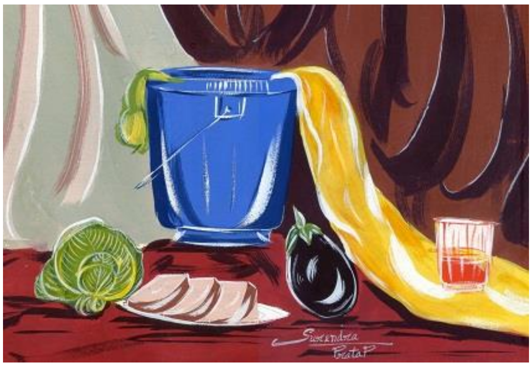

यह कला भारतीय न होकर पूर्णतया पाश्चात्य कला की यथार्थ वादी शैली है। जो अंग्रेजों के साथ ही इस देश में आई है। तथा उनके द्वारा स्थापित आर्ट स्कूलों में शिक्षा का विषय बनी बाद में इसकी उपयोगिता के देखते हुए अन्य स्कूलों के ड्राईंग विषय में इसे अपनाया गया जो आज आब्जेक्ट ड्राईंग के रूप में प्रतिस्थित है।

उद्देश्य -

रूप (फार्म) छाया, भेद, पोत और रंग का अध्ययन करना रूपों का सृजनात्मक पद्धति से चित्रण एवं संयोजन करने की शक्ति का विकास करना।

अभ्यास क्रम-

परीक्षार्थियों के सम्मुख परीक्षा भवन में वस्तु समूह जमीन पर या थोड़ी ऊँचाई पर रखे हुए कम से कम 5 वस्तु समूह का उपयोजित वस्त्र सहित रंगीन चित्रण करना। इस प्रकार के वस्तु समूह में पत्ती, फूलों, फलों, तरकारियों, शंख सीपियों तथा तत्सम प्राकृतिक वस्तुओं का भी समावेश हो सकेगा।

चित्र रचना व्यवस्था-

वस्तु समूह को दिये गये कार्टिज शीट कागज पर इस प्रकार अंकित करे कि स्थिर चित्रण खास वैशिष्ट पूर्ण रूप से किसी भी तरह नष्ट न होने पाये चित्रपूर्ण रूप से सन्तुलित हो तथा आंखों को अच्छा लगे। रंगकाम समुचित तरीके से किया जाए। छाया और प्रकाश को इस ढंग से प्रदर्शित करें कि सभी वस्तुओं एक दूसरे से सुस्पष्ट रूप से दिखाई दे।

सूचित माध्यम - 1. पेंसिल 2. जल रंग पोस्टर रंग आयल अथवा वैक्स क्रेयॉन रंगीन पेंसिल आदि

नोट- इस प्रश्न पत्र में 3 घण्टे का समय दिया जाता है।

प्रश्न पत्र- 2

स्मृति चित्रण (मेमोरी ड्राईंग)

उद्देश्य-

स्मृति प्रतिभावों की धारणा और पृत्यावाहन करने की क्षमता का विकास करना। मस्तिष्क पटल पर स्थिति संकल्पना को चित्र रूप में प्रदर्शित कर अविष्कार करने की शक्ति विकसित करना।

अभ्यास क्रम-

किसी परिचित वस्तु या किसी घटना का जिसका पूर्व में अनुभव किया जा चुका है स्मृति के आधार पर चित्रण करना अथवा दी हुई कथा में से किसी एक दृश्य का कल्पना के आधार पर चित्रांकन करना।

इसी प्रकार चित्रण पेंसिल से और जल रंग से कम समय में अतिशीघ्र करना होगा।

सिर्फ साफ सुथरे और विशुद्ध रेखांकन की अपेक्षा अविर्भाव कृति संयोजन एवं उस विशिष्ट विचार की अभिव्यक्ति आदि बातों की ओर अधिक ध्यान दिया जाए।

सूचित माध्यम- 1.पेंसिल 2.जल रंग या ऑयल अथवा वैक्स क्रेयॉन

नोट- इस प्रश्न पत्र में 2 घण्टे का समय दिया जाता है।

प्रश्न पत्र- 3

संकल्प चित्र (डिजाइन)

सृजनशील अविष्कार करने की क्षमता का विकास करना। संतुलन प्रमाण लय आदि संकल्प के मूल तत्वों की जानकारी करना।

विशिष्ट उद्देश्य के लिए इन मूलभूत तत्वों का सृजनशील उपयोग करने की सामर्थ्य का विकास करना रंग संगति और उसके प्रभावी उपयोग के बारे में समझ एवं क्षमता विकसित करना।

अभ्यास क्रम-

किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए प्राकृतिक अलंकारिक या केवल अमूर्त (अवस्ट्रैक्ट) आकारों पर आधारित संकल्प चित्र का निर्माण करना, अलंकारिक शैली में कोई तैयार करना हो तो उसका घेरा विभाग तथा गति की भंगिमा पहले निश्चित कर ली जाती है। बाद में उसमें यूनिट जोड़ दिया जाता है।

संकल्प चित्र एक या अनेक रंगों में पूर्ण करना होगा या दी हुई रंग संगति के मुताबिक उसमें रंगाई कार्य करना चाहिए।

सूचित माध्यम- 1. पेंसिल 2. रंगीन स्याही जल रंग (पारदर्शी या अपारदर्शी) इत्यादि है।

नोट- इस प्रश्न पत्र में 3 घण्टे का समय दिया जाता है।

प्रश्न पत्र- 4

भूमिति और अक्षर- लेखन

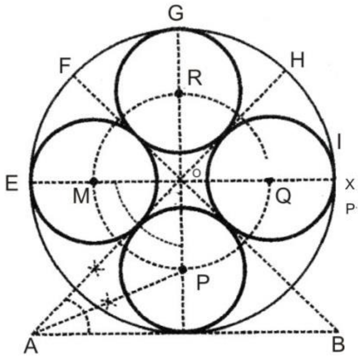

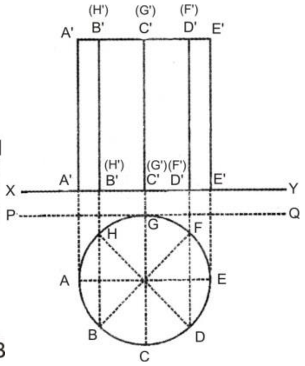

दिए हुए भौमितिक कृत्यों और उन पर आधारित रचनाओं का सूक्ष्मतर अध्ययन विद्यार्थियों से अपेक्षित है भौमितिक आकृतियों के अंकन में उन्हें चाहिए कि वे इन आकृतियों की शुद्धता एवं साफ- सुथराई की ओर तथा नियम पद्धति से उनमें की रचना रेखाएँ कायम रखने की ओर सजगता से ध्यान दे। रचना- रेखाएँ नहीं मिटानी चाहिए उन्हें कायम रखना होगा।

परिक्षार्थियों को चाहिए की वे दशांश पद्धति की सुलभ प्रमाण-पट्टी बना सके। इसके सिवा सीधी खड़ी अवस्था में स्थित वर्गाकार-घन, समकोण-चतुष्कोणाकृति घन- शंकु सूचि (पिरामिड) दण्डमोल और गोल घनाकारों और खड़ी अवस्था में टाँगे हुए समचुष्कोणाकृति अथवा वृत्ताकार फलकों एवं तत्सम घन वस्तुओ के अनुविक्षेप (प्लान) और उद्विक्षेप (एलिवेशन) अंकित करने का ज्ञान परीक्षार्थियों को होना चाहिए।

अक्षर लेखन किसी भी प्रकार हो सकता है। अक्षरों का रूप पुरातन ढ़ाँचे पर आधारित पारम्परिक नमूनों के रहे है। नाम-फलक, शोकार्ड, ग्रीटिंग विज्ञापन चित्र (पोस्टर) आदि बनाने के लिये रोमन अक्षरो या उन पर आधारित उनके विविध रूपों या भारतीय प्रादेशिक लिपियो में के अक्षरों के प्रचलित रूपों का अभ्यास किया जाए।

सूचित माध्यम- भूमिति के लिए पेंसिल या स्याही अक्षर-लेखन के लिए स्याही या रंग

नोट- इस प्रश्न पत्र में 3 घण्टे का समय दिया जाता है।